

नवभारत

संस्थापक : स्व. रामगोपाल माहेश्वरी | प्रेरणा स्रोत : स्व. प्रफुल्ल माहेश्वरी

देश के प्रमुख जलाशयों में तेजी से घटता जल स्तर केवल मौसमी चिंता नहीं, बल्कि भविष्य के जल सुरक्षा संकट की चेतावनी है. मानसून का इंतजार जरूरी है, लेकिन उससे भी अधिक जरूरी है जल संरक्षण और प्रबंधन को राष्ट्रीय प्राथमिकता बनाना. केंद्रीय जल आयोग के ताजा आंकड़े बताते हैं कि मई के शुरुआती दिनों से लेकर महीने के अंत तक देश के 166 प्रमुख जलाशयों का जल भंडारण 36.41 प्रतिशत से घटकर 24.75 प्रतिशत पर पहुंच गया है. लगभग 21.4 बिलियन क्यूबिक मीटर पानी का कम हो जाना केवल एक आंकड़ा नहीं, बल्कि आने वाले समय में जल उपलब्धता को लेकर खड़े हो रहे संकट का संकेत है. ऐसे समय में जब मौसम विभाग अल नौनो के प्रभाव के कारण सूखे की आशंका जता रहा है, जलाशयों की यह स्थिति और अधिक चिंताजनक हो जाती है.

भारत की जल व्यवस्था आज भी काफी हद तक मानसून पर निर्भर है. हर वर्ष गर्मियों के अंत तक जलाशयों का स्तर घटता है, लेकिन इस बार गिरावट की रफ्तार अपेक्षाकृत अधिक है. विशेष

जल संकट : भविष्य की तैयारी अभी से करें

रूप से दक्षिण भारत में स्थिति गंभीर बनी हुई है. वहां जलाशयों में उपलब्ध पानी कुल क्षमता के केवल 17.55 प्रतिशत तक सिमट गया है. कर्नाटक और आंध्र प्रदेश सहित कई राज्यों में पेयजल और सिंचाई दोनों क्षेत्रों में दबाव बढ़ने की आशंका है. यह स्थिति बताती है कि जल संकट अब केवल किसी एक क्षेत्र की समस्या नहीं रह गया, बल्कि राष्ट्रीय चुनौती का रूप ले रहा है.

सबसे अधिक चिंता का विषय यह है कि गंभीर संकट वाले बांधों की संख्या लगातार बढ़ रही है. मई की शुरुआत में जहां 11 बांध गंभीर श्रेणी में थे, वहीं महीने के अंत तक यह संख्या बढ़कर 15 हो गई. महाराष्ट्र का भीमा उज्जनी बांध और बिहार का चंदन बांध पूरी तरह सूखे रहने की स्थिति में पहुंच चुके हैं. अनेक छोटे जलप्रपात क्षेत्रों में भी पानी का स्तर तेजी से घटा है. यह स्थिति केवल मौजूदा गर्मी का परिणाम नहीं, बल्कि लंबे समय से जल संरक्षण और जल

प्रबंधन के क्षेत्र में बनी कमियों की ओर भी संकेत करती है. जल संकट का प्रभाव केवल पेयजल तक सीमित नहीं रहता. इसका सीधा असर कृषि उत्पादन, उद्योगों और ऊर्जा क्षेत्र पर भी पड़ता है. देश की कई जल विद्युत परियोजनाएं जलाशयों पर निर्भर हैं. जल स्तर में गिरावट से बिजली उत्पादन प्रभावित होने का खतरा बढ़ जाता है. यदि मानसून सामान्य से कमजोर रहता है, तो इसका असर खाद्य उत्पादन से लेकर आर्थिक गतिविधियों तक महसूस किया जा सकता है.

हालांकि एक सकारात्मक पक्ष यह भी है कि वर्तमान जल भंडारण पिछले वर्ष की समान अवधि और पिछले दस वर्षों के औसत से कुछ बेहतर है. लेकिन यह राहत स्थायी नहीं मानी जा सकती. जलवायु परिवर्तन के कारण मौसम का स्वरूप तेजी से बदल रहा है. कहीं अत्यधिक वर्षा हो रही है तो कहीं लंबे समय तक सूखे जैसी स्थिति बनी रहती है. ऐसे में

केवल मानसून के भरोसे भविष्य की योजना बनाना पर्याप्त नहीं होगा.

आवश्यकता इस बात की है कि जल संरक्षण को विकास नीति का केंद्रीय विषय बनाया जाए. वर्षा जल संचयन को अनिवार्य रूप से लागू किया जाए. तालाबों और पारंपरिक जल स्रोतों का पुनर्जीवन किया जाए, भूजल पुनर्भरण की योजनाओं को गति दी जाए और कृषि क्षेत्र में सूक्ष्म सिंचाई तकनीकों को बढ़ावा दिया जाए. शहरी क्षेत्रों में पानी की बर्बादी रोकने तथा जल पुनर्चक्रण की व्यवस्था को भी प्राथमिकता देनी होगी.

जल संकट की यह चेतावनी समय रहते भविष्य की तैयारी करने का अवसर भी है. मानसून राहत दे सकता है, लेकिन स्थायी समाधान केवल सुनियोजित जल प्रबंधन और संरक्षण से ही संभव है. पानी को संसाधन नहीं, बल्कि राष्ट्रीय संपदा मानकर उसके उपयोग और संरक्षण को संस्कृति विकसित करना होगा. आज उठाए गए कदम ही आने वाली पीढ़ियों की जल सुरक्षा सुनिश्चित करेंगे.

मालवा-निमाड़ की डायरी



पटवारी, सिंघार, यादव को हर हाल सीट निकालने का जिम्मा



संजय व्यास

आशांका-कुशुका के बीच इस राज्य सभा चुनाव में कांग्रेस की साख दांव पर लगी हुई है. विधायकों के वोट समीकरण के हिसाब से 3 में से एक सीट कांग्रेस को स्पष्ट तौर पर जाती दिख रही है. उसे सीट निकालने के लिए 58 वोट की जरूरत है और उसके पास 64 विधायक हैं. इसमें से एक विधायक के प्रकरण में सर्वोच्च न्यायालय ने मताधिकार पर अंतिम निराकरण तक रोक लगा रखी है. न्यायालय से 3 साल की सजा होने से एक को विधायकी समाप्त हो चुकी है. एक पर दलबदल मामला विचाराधीन चलते स्थिति डांवाडोल है. ऐसे में क्राय वोटिंग का डर समाए कांग्रेस के लिए सीट निकालना प्रतिष्ठा का सवाल बन गया है. वह वीते समय उड़ीसा, हरियाणा, बिहार में क्राय वोटिंग का दंश झेल चुकी है. उसे आशांका है कि भाजपा तीसरी सीट पर प्रत्याशी उतार जोड़-तोड़ कर उसका खेल बिगाड़ने की कोशिश कर सकती है.

उन्हें कह दिया गया कि टिकट किसी को भी मिले, राज्य सभा की यह सीट किसी भी हालत में खोना नहीं चाहिए. सभी विधायकों से सतत संपर्क और गतिविधियों पर नजर रखें. साथ ही शत-प्रतिशत कांग्रेस विधायकों का पार्टी प्रत्याशी के पक्ष में मतदान हो.

आदिवासियों को अपना बनाए रखने की जुगत

कांग्रेस को क्राय वोटिंग का खूटका जयस से जुड़े कांग्रेसी विधायकों से है. उनकी समान नागरिकता से परे रखने की बात विगत दिनों केन्द्र की भाजपा लरकर ने मान ली है. इसके बाद से जयस से जुड़े इन नेताओं का भाजपा के प्रति रवैया नरम दिखाई दे रहा है. इसी कारण विशेष सतर्कता बरतते हुए आदिवासी वर्ग को अपने से जोड़े रखने के लिए कांग्रेस एक नरेंटिव गढ़ने में लगी है. प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी, नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार, अरुण यादव, आदिवासी कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष विक्रान्त भूरिया ने भाजपा के आदिवासियों को वनवासी कहे जाने को मुद्दा बना लिया है और उसे भाजपा की आदिवासियों के खिलाफ मंशा के रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है. वह नरेंटिव गड़ रही है कि आदिवासी समाज की अपनी अलग पहचान, संस्कृति और गौरवशाली इतिहास को भाजपा बदलने पर तुली है. आदिवासियों को वनवासी कहकर उनको पहचान को कमजोर करने का प्रयास किया जा रहा है. इस नरेंटिव से आदिवासी कितने प्रभावित होते हैं, समय बताएगा.

क्या तीसरी सीट पर विजयवर्गीय को उतारेंगी भाजपा?

राज्य सभा की 3 सीटों के लिए चुनावी प्रक्रिया प्रारंभ हो गई है. 8 जून तक नामांकन दाखिल होना है. 2-3 दिन में भाजपा प्रत्याशियों की घोषणा कर देगी. सूत्रों के मुताबिक, प्रदेश भाजपा ने संभावित उम्मीदवारों की सूची केंद्रीय नेतृत्व को भेज दी है. चर्चा है कि भाजपा के बरिष्ठ नेता और मंत्री केशवराज विजयवर्गीय का नाम दावेदारों में प्रमुखता से शामिल है माना जा रहा है कि राज्यसभा के जरिए उनकी राष्ट्रीय राजनीति में वापसी हो सकती है. लेकिन विजयवर्गीय की मंशा इसके लिए खुलकर सामने नहीं आई है. उनके अस्पष्टता के रुख की वजह यह भी बताई जाती है कि उन्होंने प्रत्याशी के तौर पर अपने खास राठ के पूर्व विधायक जीतू जिराती का नाम आगे बढ़ाया है. खैर निर्णय दिल्ली के हाथ है. वैसे यह भी बताया जा रहा है कि अगर जीतू की संभावना नजर आती है तो कांग्रेस को जाती दिख रही तीसरी सीट पर केशवराज विजयवर्गीय को उतारा जा सकता है, क्योंकि उनका राजनीतिक कोशल परिस्थिति और पास पलटने में माहिर है. देखते हैं दिल्ली भाजपा नेतृत्व क्या निर्णय लेता है.



भारत ने खाड़ी देश में अवसरों के द्वार खोले



पीयूष गोयल

1 जून से लागू हो रहा भारत-ओमान मुक्त व्यापार समझौता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उस मिशन को एक निर्णायक उपलब्धि है, जिसका लक्ष्य नए बाजार खोलने और रोजगार सृजन को गति देने के जरिये भारत के छात्रों, कारीगरों, महिलाओं, किसानों, मछुआरों और एमएसएमई के लिए वैश्विक समृद्धि के मार्ग बनाना है. भारत और ओमान के बीच यह वैश्विक आर्थिक संबंध हैं और लोगों के आपसी संबंध प्रगा? हैं.ओमान में लगभग 7 लाख भारतीय रहते हैं, जिनमें वे व्यापारी परिवार भी शामिल हैं, जिनकी जड़ें 200-300 साल पुरानी हैं.ओमान से भारत को भेजी जाने वाली वार्षिक धराराशि लगभग 2 बिलियन डॉलर है, जबकि देश में 6,000 से अधिक भारतीय उद्यम कार्यरत हैं.

दोनों देशों के बीच व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौता (सीडीपीए) आर्थिक और राजनीतिक संबंधों को महत्वपूर्ण रूप से सुदृ? करता है.यह तुरंत ही ओमान में 98 नए टैरिफ लाइनों के लिए 100 प्रतिशत शुल्क मुक्त बाजार पहुंचने की सुविधा देता है, जिसमें 99.38 प्रतिशत निर्यात शामिल हैं। यह सीडीपीए से पहले की प्रणाली की तुलना में एक उल्लेखनीय सुधार को दर्शाता

है.पहले की प्रणाली में केवल 15.3 प्रतिशत भारतीय निर्यात ओमान में शून्य शुल्क के साथ प्रवेश कर सकते थे.भारत की ऐसी वस्तुएं, जिन पर वर्तमान में ओमान में 5 प्रतिशत आयात शुल्क लगता है और जिनकी कीमत लगभग 3.64 बिलियन डॉलर के निर्यात के बराबर है, अब काफी अधिक प्रतिस्पर्धी हो जाएंगी। भारत के एमएसएमई क्षेत्र के लिए, यह समझौता परिवर्तनकारी हो सकता है, क्योंकि सीडीपीए से लाभान्वित होने वाले कई क्षेत्रों में छोटे व्यवसायों को प्रमुखता है.लोहा और इस्पात, वस्त्र, चमड़ा, वाहन कल-पुर्जे और औद्योगिक उपकरण जैसे कुछ क्षेत्रों में एमएसएमई को बड़े अंतरराष्ट्रीय ऑर्डर मिलने की उम्मीद है, जिससे उत्पादन, निवेश और रोजगार को बढ़ावा मिलेगा।

बढ़ती वैश्विक अस्थिरता के युग में, सीडीपीए भारतीय निर्यातकों को, जो आर्थिक मंदी और बढ़ते व्यापार बाधाओं का सामना कर रहे हैं, अपने बाजारों को विविध बनाने और परंपरागत बाजारों पर निर्भरता कम करने का महत्वपूर्ण अवसर

प्रदान करता है.रोजगार सृजन ङ्क यह व्यापार समझौता श्रम-गहन क्षेत्रों जैसे वस्त्र और परिधान, चमड़ा और जूते, खाद्य प्रसंस्करण, समुद्री उत्पाद, रब और आभूषण और कुछ इंजीनियरिंग क्षेत्रों को लाभ पहुंचाता है, जो भारत के प्रमुख रोजगार प्रदाता हैं.

ओमान को होने वाले वस्त्र निर्यात में वृद्धि से उत्पादन में बढ़ोतरी होगी और तिरुपुर, सूरत, लुधियाना, पानीपत, कोयंबटूर, करूर, भदोही, मुरादाबाद, जयपुर और अहमदाबाद जैसे प्रमुख क्लस्टर में रोजगार के अवसरों का सृजन होगा.भारत भर के कारीगर और बुनकर भी अपने उत्पादों की उच्च अंतरराष्ट्रीय मांग से लाभान्वित होंगे.भारत भर में, विशेष रूप से तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल में, साथ ही महाराष्ट्र, पंजाब, कर्नाटक और मध्य प्रदेश के कुछ हिस्सों समेत चमड़ा और जूता के प्रमुख केंद्रों में भी रोजगार के अवसर सृजित होंगे.रब और आभूषण क्षेत्र एक अन्य उदाहरण है, जो दिखाता है कि सीडीपीए रोजगार वृद्धि को किस प्रकार तेज करेगा.भारत के पास पहले से ही कटे और

पॉलिश किए हुए हीरे, सोने और चांदी के आभूषण तथा हस्तनिर्मित आभूषण उत्पादन में मजबूत क्षमताएं हैं.शुल्क बाधाओं के हटने से, भारतीय निर्यातकों को यूरोपीय और एशियाई प्रतिस्पर्धियों पर निर्णायक बढ़त मिलेगी.उद्योग जगत का अनुमान है कि अगले तीन वर्षों में ओमान को होने वाला निर्यात बढ़ कर 150 बिलियन डॉलर तक हो सकता है.इससे पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, महाराष्ट्र, राजस्थान और गुजरात के आभूषण निर्माण केंद्रों में महत्वपूर्ण रोजगार संभावनाएं सृजित होने की उम्मीद है.किसान और मछुआरे - घरेलू किसानों और संवेदनशील कृषि हितों की सुरक्षा के लिए, भारत ने गेहूँ, चावल, मक्का, मोटे अनाज, डेयरी, फल, सब्जियां, खाद्य तेल, तिलहन, चाय, कॉफी और शहद जैसे प्रमुख उत्पादों पर कोई टैरिफ छूट नहीं दी है.

घी, शहद, मीठे बिरकुट, अंडे और कुछ मिश्रण उत्पादों में भारत को प्रतिद्वंद्वियों पर प्रतिस्पर्धात्मक लाभ मिलेगा, जिससे देश के कृषि उत्पादों की मांग बढ़ेगी और ग्रामीण आय में वृद्धि होगी.यह समझौता भारत के राष्ट्रीय जैविक उत्पादन कार्यक्रम (एनपीओपी) प्रमाणन की स्वीकृति और मान्यता भी प्रदान करता है, जो भारतीय किसानों को ओमान में, जो एक प्रमुख खाद्य आयातक है, जैविक उत्पाद बेचने के लिए विशाल अवसर देता.

(लेखक केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री हैं.)

क्षेत्रीय की तुलना में राष्ट्रीय दल फायदे में

विगत कुछ वर्षों से क्षेत्रीय दलों को मिलने वाले चंदे में कमी आई है जबकि राष्ट्रीय स्तर की पार्टियों को अधिक चंदा दिया जाने लगा है. इसकी वजह साफ है. उद्योग समूह जानते हैं कि आज आंध्रभारत दांचे, ऊर्जा, दूरसंचार, रक्षा व प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों में महत्वपूर्ण और बड़े निर्णय केंद्रीय स्तर पर लिए जाते हैं. जीएसटी कर प्रणाली का निर्धारण भी केंद्र सरकार के हाथों में है. इन बातों को देखते हुए क्षेत्रीय या राज्यस्तरीय पार्टियों को मिलने वाली चंदे की रकम अब राष्ट्रीय स्तर की पार्टियों को दी जाने लगी है. ऐसा करना राजनीतिक ही नहीं, आर्थिक दृष्टि से उद्योगों के लिए लाभदायक है. क्षेत्रीय पार्टियों का नेतृत्व एक ही परिवार के हाथों में देखा जाता है. निधि जमा करने की उनकी प्रक्रिया व्यावसायिक या तकनीकी दृष्टि से सक्षम नहीं है. नई पीढ़ी के दानदाता डिजिटल व पारदर्शक प्रणाली से चंदा देना पसंद करते हैं. राष्ट्रीय स्तर की पार्टियों ने क्राउड फंडिंग जैसी नई प्रणाली शुरू की है, जो क्षेत्रीय पार्टियों में

नहीं है. चुनाव आयोग की रिपोर्ट के अनुसार कुछ प्रमुख राष्ट्रीय पार्टियों की आय में 15 से 25 प्रतिशत की वृद्धि हुई है जबकि क्षेत्रीय या राज्यस्तरीय पार्टियों की चंदे से होने वाली आय में 10 से 30 प्रतिशत की कमी आई है. क्षेत्रीय पार्टियां राज्य के प्रमुख मुद्दों को उठाने का माध्यम होती हैं. यदि आर्थिक शक्ति राष्ट्रीय पार्टियों में केंद्रित हो गई, तो राज्यों की आवाज दब जाएगी. महाराष्ट्र, तमिलनाडु, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, बिहार, ओडिशा व बंगाल में क्षेत्रीय दल हैं, जो कमजोर होते चले जा रहे हैं. इसका भारतीय लोकतंत्र पर दूरगामी परिणाम हो सकता है. ऐसा लगता है कि उद्योग जगत को क्षेत्रीय की बजाय राष्ट्रीय पार्टियों से लगाव बढ़ रहा है, जो उनके हित पर कर सकती हैं. बड़ी राष्ट्रीय पार्टियों का निर्णय सुसंगत व शीघ्रता से होता है. अधिकांश वलौयर्स व मंजूरीया दिल्ली में ही मिलती हैं. इसलिए उद्योग जगत सोचता है कि क्षेत्रीय दल उन्हें क्या देने वाले हैं, जो कि खुद ही अपने अस्तित्व के लिए जूझ रहे हैं.

संपादकीय बोर्ड | प्रबंध संपादक : सुमीत माहेश्वरी, समूह संपादक : क्रांति चतुर्वेदी

शब्द-सागर : डॉ. सागर खादीवाला

CROSS WORD 12276 - डॉ. सागर खादीवाला

1	2	3	4	5	6
		7			8
9	10			11	
		12	13		14
16				17	18
			19		20
21		22			23
					24

लगाने वाला व्यक्ति 5. अच्छी तरह पूरा करना, आयोजन 6. गला, कट (सं.) 10. सामान्य अर्थ से भिन्न अर्थ देने वाली शब्दशक्ति 13. कंदील, मोमबत्ती जलाने का गिलास, छत में लटकने के झण्ड 15. नायकों में प्रमुख 16. फैलाव, ब्रांडकार्टिंग (सं.) 18. 'मैं' का बहुवचन 20. चार वेदों में से तीसरा वेद 22. कम वेग वाला, सुस्त

बाएं से दाएं

- बच्चों को प्यार करना, लाड़-चाव करना
- अवसर, प्रकरण, बात, विषय (सं.)
- उपद्रव, दंगा, फसाद
- वर्ष 9. सुख, माणिक, रस्त के रंग का
- महक, वास, सुगंध
- बार, धारा, दूर हटना
- आद, गीला
- नमस्कार
- एक पैगंबर जिन्की कसती तूफान से बच गई थी
- छटपटाना, घबराना
- एक नेत्र रोग जिसमें रत के समय दिखाई नहीं देता
23. मंदिर 24. उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री
- ऊपर से नीचे
- दोहरी ऊनी चादर
- ईश्वर, परमेश्वर, 3. छोड़े की टाप में नाल

Solution 12275

र	स	भ	री	ट	का	र
स	फ	झ	प	की	ण	
नी	र	ना	र	रा	नी	
य	व	म	प	म	ति	
	फ	ड	न	वी	स	
त	ल	व	र	च	पि	ता
र	झ	च	क		ड	
स	ज	ना	क्र	मां	क	

ज्योतिषाचार्य पंडित प्रियंका नारायणशंकर व्यास, कोतवाली बाजार, जबलपुर (म.प्र.)

आज जिनका जन्मदिन है

वर्ष के प्रारंभ में नवीन कार्यों में रूचि एवं सफलता प्राप्त होगी, व्यापार व्यवसाय में लाभ होगा, वर्ष के मध्य में सत्ता सुख प्राप्त होगा, स्थाई लाभ का योग है, वर्ष के अन्त में माता पिता के कमजोर स्वास्थ्य की चिन्ता रहेगी, अत्याधिक परिश्रम के बाद सफलता मिलेगी, अधिकारी वर्ग से मतभेद हो सकता है.

मेघ और वृश्चिक राशि के व्यक्तियों को माता पिता के कमजोर स्वास्थ्य से

मेघ - धर्म में आस्था बढ़ेगी, झूठ बोलकर आप स्वयं उलझन में पड़ जायेंगे, आर्थिक संतुलन बना रहेगा, रोजी रोजगार के कार्यों में किया गया प्रयास सफल होगा.

वृश्चिक - आपके सामने कई विकल्प रहेंगे, उचित विकल्प के लिये किसी बुजुर्ग की सलाह लें, बांधव सुख मिलेगा, मनोरंजन आदि के कार्यों में खर्च होगा.

मिथुन - विरोधियों से अपनी बात मनवाने के लिये कूट नीति से काम लेना पड़ेगा, परिश्रम की अधिकता रहेगी, अनपेक्षित कार्यों में यश मिलेगा, उदर रक्ष हो सकता है.

कर्क - बड़ी योजना पर काम करने के लिये व्यापक प्रयास करना पड़ेगा, आर्थिक कार्यों में बाधा दूर होगी, पारिवारिक सुख शांति रहेगी, आवक साधनों में वृद्धि होगी.

सिंह - बड़ी सफलता के लिये व्यापक प्रयास करना पड़ेगा, आर्थिक कार्यों में आने वाली बाधा दूर होगी, पारिवारिक सुख शांति रहेगी, आय के साधनों में वृद्धि होगी.

कन्या - जिनमें आकर बड़ा जोखिम उठा सकते हैं, कारोबार में पूंजी निवेश के अच्छे परिणाम मिलेंगे, सुखद अनुभवों की प्राप्ति होगी.

तुला - जिन्हें आप दिल से चाहते हैं, उनके लिये आप कुछ भी करने तैयार रहेंगे, जो जायेंगे, यात्रा सुखद एवं लाभदायक रहेगी, जमीन जायदाद से लाभ मिलेगा.

वृश्चिक - बुजुर्गों के स्वास्थ्य की चिन्ता रहेगी, वैभव विलासिता पर ध्यान देना, अकारण तनाव को टालें, नवीन योजनाओं में व्यवधान आ सकता है.

धनु - कार्यस्थल पर सहकर्मियों से संबंध सुधारने का प्रयास सफल होगा, मांगलिक कार्यों की पूर्ति होगी, निजी मामलों में बुजुर्गों की सलाह हितकर रहेगी.

मकर - किसी को आर्थिक जिम्मेदारी न लें, पूरी नहीं होगी, पारिवारिक आनन्दोत्सव बना रहेगा, किये गये प्रयासों का लाभ प्राप्त होगा, विवादों को टालें, शुभ संदेश मिलेगा.

कुम्भ - उत्कारव के कारण साझेदारी का कार्य छोड़ना पड़ सकता है, आर्थिक संतुलन बना रहेगा, रोजी रोजगार का कार्य संतोषजनक रहेगा, शुभ सूचना प्राप्त होगी.

मीन - भावी योजनायें बनाते हुये आगे बढ़ें, सफलता आपके राह देख रही है, धार्मिक कार्य बनें, स्वास्थ्य अनुकूल रहेगा, मनोरंजन आदि पर खर्च होगा.

आज जन्मे शिशु का भविष्य

आज जन्म लिया बालक सुन्दर, सुरील, होशियार होगा, विचार सुलझे रहेंगे, परिश्रमी और आत्म ज्ञानी होगा. माता पिता को जीवन में सुखी रखेगा. मनोरंजन का शौकीन होगा. जन्म स्थान से दूर उठति करेगा.

उदयकालीन ग्रह चाल

9	8	के.7 मू.	6	5
		चं.शु.	शु.	
	10		4	
		1		3
11		रं.	2	
	12			

पंचांग

रा.मि. 12 संवत् 2083 अधिक ज्येष्ठ कृष्ण द्वितीया भौमवासरे शाम 5/4, मूल नक्षत्र रात 8/49, साध्य योगे प्रातः 6/40, गर करणे सू.उ. 5/16, सू.अ. 6/44, चन्द्रचार धनु, शु.रा. 9, 11, 12, 3, 5, 7 अ.रा. 10, 1, 2, 4, 6, 8 शुभांक- 2, 4, 8.

व्यापार भविष्य

अधिक ज्येष्ठ कृष्ण द्वितीया को मूल नक्षत्र के प्रभाव से जीरा, धनियां, सौंफ, अजवाईन, आदि किराना वस्तुओं में नरमी होगी, गेहूँ, जौ, चना, बाजरा, में कुछ नरमी होगी, गुड, खांड, शकर, के भाव में समता रहेगी. चांदी में कल की चाल चलेगी. भाग्यांक 2585 है.

SUDOKU 7408

2				5				
	1		8					9
7			4					
		9		1				
3						6		
	8			5				
5		3		6			8	
	4					2		7

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक है. इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है. आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 333 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें. पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते. पहली का केवल एक ही हल है.

नवभारत सूटकी 7407

2	3	6	8	5	1	4	9	7
9	4	5	7	6	3	8	2	1
1	7	8	2	9	4	6	5	3
3	1	9	6	7	2	5	4	8
5	6	2	1	4	8	3	7	9
7	8	4	5	3	9	1	6	2
4	9	1	3	2	5	7	8	6
8	2	7	4	1	6	9	3	5
6	5	3	9	8	7	2	1	4